R.I.M.C. (राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज) में छात्रों से संवाद हेतु माननीय राज्यपाल महोदय का भाषण।

(दिनांक 01 सितम्बर, 2024)

जय हिन्द!

आज राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज (RIMC), देहरादून में आप सभी के बीच माननीय उपराष्ट्रपति महोदय के साथ उपस्थित होना मेरे लिए अत्यंत गर्व और खुशी का विषय है। यह संस्थान, जिसे भारत की रक्षा सेवाओं के लिए भावी नेतृत्व तैयार करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था, अपने गौरवशाली इतिहास, अनुशासन और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ आने पर मुझे हमारे राष्ट्र के उन भावी रक्षकों से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है, जो अपने देश की सेवा के लिए खुद को संवारने और सशक्त बनाने का संकल्प लिए हुए हैं।

RIMC का इतिहास बहुत ही गौरवमयी है। इसकी स्थापना 1922 में की गई थी और तब से लेकर आज तक, इसने न केवल भारत के बल्कि पूरी दुनिया के कुछ महानतम सैन्य लीडरशिप को तैयार किया है। इस संस्थान की परंपरा, मूल्यों, और अनुशासन ने इसे भारतीय सैन्य शिक्षा के क्षेत्र में एक विशिष्ट स्थान दिलाया है। यहाँ के पूर्व छात्र, जो आज भारतीय सेना, नौसेना, और वायुसेना में उच्चतम पदों पर कार्यरत हैं, इस संस्थान की उत्कृष्टता और महत्त्व को सिद्ध करते हैं।

आप सभी कैडेट्स, जिन्होंने इस प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश प्राप्त किया है, देश के सबसे चुनिंदा और योग्य युवाओं में से हैं। यहाँ पर, आप केवल शारीरिक और मानसिक रूप से ही नहीं, बल्कि नैतिक और वैचारिक रूप से भी प्रशिक्षित हो रहे हैं। यह प्रशिक्षण आपको न केवल एक उत्कृष्ट सैनिक बल्कि एक महान लीडर भी बनाएगा। एक सच्चा लीडर वही होता है जो न केवल आदेश देने में सक्षम हो, बल्कि अपने कर्मों से प्रेरित करने का भी सामर्थ्य रखता हो।

प्रिय छात्रों,

मैंने अपने जीवन के लगभग 50 वर्ष, इसी प्रकार के माहौल में व्यतीत किए हैं, जिनमें से प्रथम 10 वर्ष सैनिक स्कूल, एनडीए और आईएमए में व्यतीत करने का सौभाग्य मिला, और उसके उपरांत लगभग 40 वर्ष सेना में सैन्य अधिकारी के रूप में देश सेवा करने का सौभाग्य मिला। अपने अनुभव से मैं बता सकता हूँ कि प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण पहलू अनुशासन है। अनुशासन न केवल एक सैनिक के जीवन का आधार है, बल्कि यह हर व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण करने वाला एक महत्वपूर्ण घटक है। आप जो कुछ भी यहाँ सीख रहे हैं, वह आपको न केवल शारीरिक रूप से सशक्त बनाएगा, बल्कि आपके चरित्र को भी गढ़ेगा। मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप अनुशासन को केवल एक कर्तव्य के रूप में न देखें, बल्कि इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

इसके साथ ही, मैं यह भी कहना चाहूँगा कि आज के इस बदलते युग में एक सैनिक की जिम्मेदारी केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रह गई है। एक सैनिक का कार्य समाज की सुरक्षा करना, उसकी सेवा करना, और उसके प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना भी है। एक सैनिक को न केवल युद्ध के मैदान में, बल्कि समाज के हर क्षेत्र में अनुशासन, साहस, और समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत करना होता है। आप सभी को यह समझना होगा कि आपकी जिम्मेदारियां आम जनमानस से कहीं अधिक व्यापक हैं। और एक विशेष बात है जो मुझे सबसे अधिक प्रभावित करती है वह है सेना में हमारी बेटियों की बढ़ती हुई प्रतिभागिता। हमारी बेटियां हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ हैं और अब सैन्य सेवाओं में भी लीडरशिप का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभर रही हैं।

प्रिय छात्रों,

आप सभी के समक्ष बहुत से अवसर हैं, जिनका उपयोग आप अपनी क्षमताओं और कौशल को निखारने के लिए कर सकते हैं। मैं आप सभी से कहना चाहूँगा कि आप अपने प्रशिक्षण के हर पहलू को गंभीरता से लें। हर कक्षा, हर प्रशिक्षण सत्र, और हर चुनौती को एक अवसर के रूप में देखें, जो आपको और बेहतर बनने में सहायता करेगा। आपको अपने ज्ञान, शारीरिक क्षमता, और नैतिक मूल्यों को निरंतर सुधारने का प्रयास करना चाहिए।

मुझे यह देखकर बहुत गर्व होता है कि RIMC में केवल शारीरिक प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि मानसिक और बौद्धिक

विकास पर भी समान रूप से ध्यान दिया जाता है। यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि आज के युग में एक सैनिक को सिर्फ शारीरिक रूप से ही नहीं, बल्कि मानसिक और बौद्धिक रूप से भी मजबूत होना चाहिए। आप सभी को अपनी शिक्षा का पूरा लाभ उठाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप केवल एक अच्छे सैनिक ही नहीं, बल्कि एक जागरूक नागरिक भी बनें।

मैं यह भी कहना चाहूँगा कि एक अच्छा सैनिक वही होता है, जो कभी भी अपने कर्तव्यों और दायित्वों से नहीं भागता। चुनौतियाँ जीवन का हिस्सा हैं और यह आप पर निर्भर करता है कि आप उनका सामना कैसे करते हैं। आपके सामने कई अवसरों पर असफलताएं भी आएंगी, लेकिन उन्हें सीखने के अवसर के रूप में देखें। कभी भी अपने संकल्प में कमी न आने दें। हमेशा याद रखें कि आप इस महान राष्ट्र के रक्षक हैं, और आपकी प्रत्येक कोशिश, प्रत्येक बलिदान, हमारे देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए है।

अंत में, मैं आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देना चाहूंगा। आप इस महान संस्थान का गौरव हैं, और मुझे पूरा विश्वास है कि आप अपने प्रशिक्षण के दौरान जो कुछ भी सीख रहे हैं, वह आपको न केवल एक बेहतर सैनिक बनाएगा, बल्कि एक बेहतर इंसान भी बनाएगा।

आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं! अपने लक्ष्य की ओर इसी समर्पण और साहस के साथ आगे बढ़ते रहें।

हमारा देश आप पर गर्व करता है, और मुझे भी आप सभी पर गर्व है।

जय हिन्द!